

गंगा घाटों पर भगवान राम के समर्पित संगीतमय प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हुए लोग

भाषा। वाराणसी

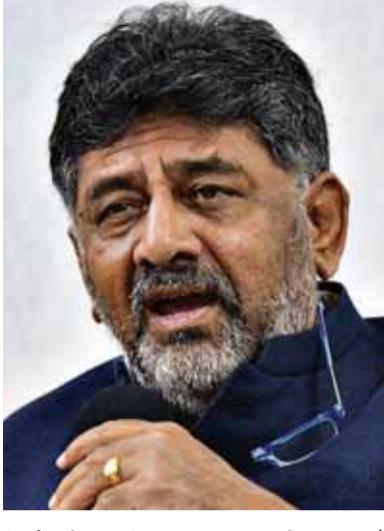
उत्तर प्रदेश में वाराणसी के गंगा घाटों पर भगवान राम को समर्पित संगीतमय प्रस्तुतियों के कारण तमिल संगमम में भगव लेने वाले लोगों को मंत्रमुग्ध का दिया। संगमम का उद्देश्य तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों तुरन्तों के फिर से खोजना था। तमिलनाडु और काशी के देश में काशी तमिलनाडु और काशी के एक बीच सदियों तुरन्तों के फिर से खोजना था। तमिलनाडु और काशी के देश में काशी तमिलनाडु के द्वारा भगवान राम को समर्पित की थी। मिश्रा ने पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने 10 साल पहले बींदिश की चर्चा की थी और मैंने इसे सार्वजनिक मंच पर गाया जैसा करता है। यह गीत भगवान राम के जन्म के बारे में है... अवश्य मैं कैसी धूम मचा है, राम नाम ने लिए अवतार। तीन सितार, एक दोलक, एक बांसुरी और तबले का उपयोग करते हुए, मिश्रा और उनकी टीम भगवान राम को लेकर कह गीत प्रस्तुत किए, जिससे दशक मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने कहा, वाराणसी में लोग अगले महीने होने देश की सात पवित्र नदियों के नाम पर समूह में विभाजित किया गया था और प्रत्यक्ष भावान राम को लेकर ही होना।

14 दिवसीय काशी तमिल संगमम कार्यक्रम में वाराणसी समेत देश के विभिन्न हिस्सों से आए संस्कृत प्रेमियों के अलावा तमिलनाडु और पुडुचेरी के 1,400 बेहद उत्साहित हैं।

प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस समाप्ति की सुरुआत में, बनास घरने के पांडित देवत मिश्रा ने संगमम के दौरान नमों घाट पर अपनी टीम के प्रदर्शन के दौरान भगवान राम को एक बींदिश समर्पित की थी। मिश्रा ने पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने 10 साल पहले बींदिश की चर्चा की थी और मैंने इसे सार्वजनिक मंच पर गणपति ने कहा, यह आगे वाले एक दिवसर तक 8 घण्टा के बारे में पंडितों ने भगवान राम के जन्म के बारे में है... अवश्य यह गीत भगवान राम की अवश्य की ओर तबले का उपयोग करते हुए, मिश्रा और उनकी टीम भगवान राम को लेकर कह गीत प्रस्तुत किए, जिससे दशक मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने कहा, वाराणसी में लोग अगले महीने होने देश की सात पवित्र नदियों के नाम पर समूह में विभाजित किया गया था और प्रत्यक्ष भावान राम को लेकर ही होना।

हम 22 जनवरी को वाराणसी के घाटों पर इसका जश्न मनाएंगे, जब अयोध्या में भव्य समारोह चल रहा होगा। यहां विश्वामित्र मंदिर (गोदावरी), आश्वामित्र मंदिर (सरस्वती), किसानों और कर्मियों का सहाय (मन्दिर), लेखोंका का समूह (संधु) और व्यापारियों एवं उद्योगियों का समूह (कावेरी)। संगमम में भगव लेने के लिए 8 दिवसर तक 8 घण्टा के बारे में अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1,400 लोगों का चर्चा एक समिति द्वारा किया गया था। प्रधानमंत्री ने रेस्टोरेंटों में भगव लेने के लिए अयोध्या में अगले महीने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा से वहां पहले कुछ अनुच्छानों में भगव लूंगा।

काशी तमिल संगमम में भगव लेने वाले प्रतिनिधियों ने अयोध्या और वहां विश्वामित्र मंदिर का भगव लेने के लिए 15,700 करोड़ रुपए की पर्यायोजनाओं की समीक्षा दी। मंदिर का पहला चरण कुछ दिन पहले कुछ अनुच्छानों में हिस्सा लेंगे।



और परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा किए गए निवेश का ब्यौरा देने को भी कहा है। जयहिंद के प्रबंध निदेशक बी.एस. शिजू ने कहा कि उह सीबीआई का नोटर्स मिला है और वह एजेंसी को सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएंगे। उहोंने अपरोप लगाया कि सीबीआई को कावर्ड आपाक एक बात तोर पर केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के राजनीतिक प्रतिवेशों का मामला है। केरल के कांग्रेस नेता शिजू ने दाव किया कि पूर्ववर्ती भाजपा नीत कनिका सरकार द्वारा मामले के लिए इस मामले की जांच की थी और कोई भी अवैध गतिविधि नहीं पाए जाने पर मामले की जांच बंद कर दी थी।

उहोंने पीटीआई-भाषा से बातचीत में अपना पता रखते हुए यह कहा कि मामले की जांच परिसर से शुरू करना आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देजर कांग्रेस और उसके नेताओं को प्रतिक्रिया करने की कोशिश है।

सीबीआई ने 2020 में शिवकुमार के खिलाफ काम करने की कोशिश किया था। उहोंने एक सामाजिक दर्ज कर आपरोप लगाया था कि उहोंने 2013 से 2018 के बीच आय के जांच स्रोतों से अधिक 74 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति अर्जित की।

महाराष्ट्र में काटखाने में लगी आग की चपेट में आए छह मजदूरों की मौत

भाषा। छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में शिवार रेत दर दस्तावेज बाटों वाले एक काश्वारी ने आग लगाने से एक घाट पर छह श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस ने एक अधिकारी को नेता जानकारी दी। वालुज औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सनशाइन पट्टाराइजेज इकाई में देर रहत कर्मी एक बजे बाहर रहे। उहोंने कहा कि अगले दिन भगवान राम के जन्म के बारे में आग लगाए गए। उसे दैर्यान परिसर में 13 कर्मचारी सो रहे थे। सात व्याक्रिय किसी तरह बीन की ओर आग लगाया गया। उसके जानकारी ने एक घाट पर छह श्रमिकों की मौत हो गई।

हादसे में मूलसे कुछ श्रमिकों का उपचार किया गया। पुलिस ने एक घाट पर छह श्रमिकों की मौत हो गई। उपचार किया गया। जांच दैर्यान पर चले गए और वहां से पेड़ों का मदर से नीचे उतरे। सरकारी मेडिकल कर्मीज आगे पर काबू पा लिया गया। उहोंने कहा कि मामले को लेकर प्रार्थना की वर्षांभक पूछताछ चल रही है।

हादसे में मूलसे कुछ श्रमिकों का उपचार किया गया। जांच दैर्यान पर चले गए और वहां से एक घाट पर काबू पा लिया गया। उसके जानकारी ने एक घाट पर छह श्रमिकों की मौत हो गई।

भारत ने कोरोना वायरस संक्रमण के सामने आए 841 नए मामले

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 841 नए मामले समाप्त हैं जो पिछले 227 दिनों में सबसे अधिक हैं। संक्रमण के उपचाराधीन मामले 4,309 हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रेविवार को यह जनकारी दी थी। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे के अद्यतन आकड़ों के अनुसार, 24 घंटे में केल, कनिका और बिहार में एक-एक व्याक्ति की संक्रमण में मौत हो गई।

देश में इससे पहले 5.3 मिल को संक्रमण के 865 नए मामले समाप्त हैं। देश में सबसे अधिक लोगों के बारे में संक्रमण के कामलों में तेजी आई है। इससे पहले पांच दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दहाई अंक तक पहुंच गई थी। वर्ष 2020 की शुरुआत से अब तक लाभाग चार वर्ष में देश भर में कोरोना वायरस से लगाया गया था और हाल सबसे गोपनीय था। कुछ देर बाद वे गर्म हमसूस हुए और हमने अपने घर में आग लगाया। उसे दैर्यान पर चले गए और वहां से पेड़ों का मदर से नीचे उतरे। सरकारी मेडिकल कर्मीज आगे पर काबू पा लिया गया। उहोंने कहा कि अपनी जांच की ओर से अधिक लोगों के बारे में संक्रमण के कामलों में तेजी आई है। इससे पहले पांच दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दहाई अंक तक पहुंच गई है। वर्ष 2020 की शुरुआत से अब तक लाभाग चार वर्ष में देश भर में कोरोना वायरस से लगाया गया था और हाल सबसे गोपनीय था। कुछ देर बाद वे गर्म हमसूस हुए और हमने अपने घर में आग लगाया। उसे दैर्यान पर चले गए और वहां से पेड़ों का मदर से नीचे उतरे। सरकारी मेडिकल कर्मीज आगे पर काबू पा लिया गया। उहोंने कहा कि अपनी जांच की ओर से अधिक लोगों के बारे में संक्रमण के कामलों में तेजी आई है। इससे पहले पांच दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दहाई अंक तक पहुंच गई है। वर्ष 2020 की शुरुआत से अब तक लाभाग चार वर्ष में देश भर में कोरोना वायरस से लगाया गया था और हाल सबसे गोपनीय था। कुछ देर बाद वे गर्म हमसूस हुए और हमने अपने घर में आग लगाया। उसे दैर्यान पर चले गए और वहां से पेड़ों का मदर से नीचे उतरे। सरकारी मेडिकल कर्मीज आगे पर काबू पा लिया गया। उहोंने कहा कि अपनी जांच की ओर से अधिक लोगों के बारे में संक्रमण के कामलों में तेजी आई है। इससे पहले पांच दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दहाई अंक तक पहुंच गई है। वर्ष 2020 की शुरुआत से अब तक लाभाग चार वर्ष में देश भर में कोरोना वायरस से लगाया गया था और हाल सबसे गोपनीय था। कुछ देर बाद वे गर्म हमसूस हुए और हमने अपने घर में आग लगाया। उसे दैर्यान पर चले गए और वहां से पेड़ों का मदर से नीचे उतरे। सरकारी मेडिकल कर्मीज आगे पर काबू पा लिया गया। उहोंने कहा कि अपनी जांच की ओर से अधिक लोगों के बारे में संक्रमण के कामलों में तेजी आई है। इससे पहले पांच दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दहाई अंक तक पहुंच गई है। वर्ष 2020 की शुरुआत से अब तक लाभाग चार वर्ष में देश भर में कोरोना वायरस से लगाया गया था और हाल सबसे गोपनीय था। कुछ देर बाद वे गर्म हमसूस हुए और हमने अपने घर में आग लगाया। उसे दैर्यान पर चले गए और वहां से पेड़ों का मदर से नीचे उतरे। सरकारी मेडिकल कर्मीज आगे पर काबू पा लिया गया। उहोंने कहा कि अपनी जांच की ओर से अधिक लोगों के बारे में संक्रमण के कामलों में तेजी आई है। इससे पहले पांच दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दहाई अंक तक पहुंच गई है। वर्ष 2020 की शुरुआत से अब तक लाभाग चार वर्ष में देश भर में कोरोना वायरस से लगाया गया था और हाल सबसे गोपनीय था। कुछ देर बाद वे गर्म हमसूस हुए और हमने अपने घर में आग लगाया। उसे दैर्यान पर चले गए और वहां से पेड़ों का मदर से नीचे उतरे। सरकारी मेडिकल कर्म

